प्रतिवेदन

अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग

हेतु स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

08 से 11 जुलाई 2024

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्यप्रदेश)

(केंद्रीय विश्वविद्यालय)

डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

एआईयू की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी

मैड्रिड विश्वविद्यालय में भाषण देते हुए

कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया।

उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित 'शिक्षा का

अंतर्राष्ट्रीय करण: भारतीय परिप्रेक्ष्य' सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है।

अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 की गाइडलान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो। उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम पर चर्चा की। उन्होंने भारत में चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया।

शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण में उचित पाठ्यक्रमों, शोध एवं पुरा छात्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी, शोध एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन एवं शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेंगे। इच्छुक छात्र-छात्राएं इंटरनेशनल सेल में संपर्क कर सकते हैं।

----------//----------

छाया चित्र वीथिका

विभिन्न विश्वविद्यालयों के अंतर्राष्ट्रीय संबंध अधिकारियों से मुलाकात

कुलपति, बार्सिलोना विश्वविद्यालय

श्री दिनेश के पटनायक
भारत के राजदूत का अभिनंदन
वल्लाडोलिड विश्वविद्यालय

स्पेनिश विश्वविद्यालयों के अधिकारी

वल्लाडोलिड के मेयर, जीसस जूलियो कार्नेरो

बार्सिलोना विश्वविद्यालय में एआईयू प्रतिनिधिमंडल

दैनिक भास्कर
सागर 15-07-2024

पहल • स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, शिक्षक एवं छात्र एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

विवि में स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम शुरू होंगेः कुलपति

भास्कर संवाददाता | सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है।

भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण

किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आईई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया।

उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित शिक्षा का अंतराष्ट्रीयकरणः भारतीय परिप्रेक्ष्य सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

▸ सागर संवाददाता (प्रदेश वॉच)।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी,

विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित %शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण- भारतीय परिप्रेक्ष्य% सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

डॉ. गौर विवि का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

विजय मत, सागर।

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा

हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आईई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण भारतीय परिप्रेक्ष्य सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय करण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 की गाइडलान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो। उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम पर चर्चा की। उन्होंने भारत में चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया। शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय करण में उचित पाठ्यक्रमों, शोध एवं पुरा छात्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी, शोध एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीय करण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन एवं शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेंगे।

एआइयू की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य कुलपति ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

नया कदम: स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, फैकल्टी व स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी व सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारतीय विश्वविद्यालय संघ नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय व स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की। उन्होंने स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड व वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक व शोध

साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर चर्चा हुई।

विश्वविद्यालय के अनुसार कुलपति की स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन व शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी व अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे।

मैड्रिड में दिया प्रजेंटेशन

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनोमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित 'शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण, भारतीय परिप्रेक्ष्य' सत्र को पॉवर पाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने भारतीय विद्यार्थियों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के आलोक में शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है। भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों में और विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो। उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम, जाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम व भारत में चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आइएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की और भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया।

डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी

फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

जन चिंगारी- 9302303212

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलुसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की

प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित %शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण- भारतीय परिप्रेक्ष्य% सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 के गाइडलान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों को विदेशों में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो। उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम पर चर्चा की। उन्होंने भारत में चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया।

शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण में उचित पाठ्यक्रमों, शोध एवं पुरा छात्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी, शोध एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन एवं शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेंगे।

डॉ. गौर विश्वविद्यालय का स्पेन के विश्वविद्यालयों से होगी अकादमिक साझेदारी, फैकल्टी एवं स्टूडेंट एक्सचेंज प्रोग्राम भी होंगे

एआईयू की गवर्निंग काउंसिल की सदस्य कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

सत्ता सुधार ▪ सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई 2024 तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस

यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामसा यूनिवर्सिटी, वैलूसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण- भारतीय परिप्रेक्ष्य सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतराष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है। अंतर्राष्ट्रीय करण हेतु यूजीसी के 2021 एवं 2023 की गाइडलान का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत के विश्वविद्यालयों के केंद्रों की विदेशों में एवं विदेशी विश्वविद्यालयों के केंद्रों की स्थापना भारत में हो। उन्होंने ट्विनिंग प्रोग्राम, ज्वाइंट डिग्री प्रोग्राम, डुअल डिग्री प्रोग्राम पर चर्चा की। उन्होंने भारत में चल रहे डीएसटी, यूजीसी, आईएनएसए द्वारा प्रायोजित योजनाओं की भी चर्चा की। उन्होंने भारत में विदेशी छात्रों के आकर्षण के उपायों को भी बताया। शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण में उचित पाठ्यक्रमों, शोध एवं पुरा छात्रों की महती भूमिका को बताते हुए उन्होंने कहा कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी, शोध एवं पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण की दिशा में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उनकी स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र की अमल में लाते हुए विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों के संचालन एवं शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी एवं अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किये जायेंगे। इच्छुक छात्र-छात्राएं इंटरनेशनल सेल में संपर्क कर सकते हैं।

कुलपति ने किया स्पेन के विश्वविद्यालयों का भ्रमण

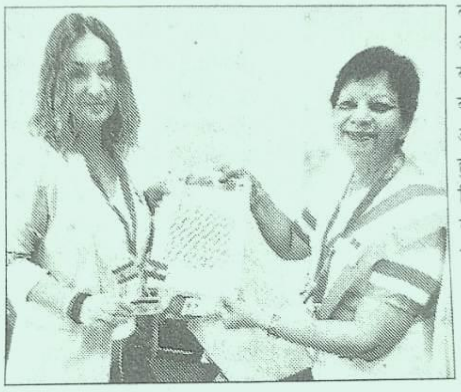

सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी एवं सहयोगात्मक शोध की दिशा में नया कदम रखने जा रहा है। डॉ. गौर विश्वविद्यालय एवं स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक एवं शोध समझौते की दिशा में कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय एवं स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क के उद्देश्य से स्पेन में 8 से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्ठी में भागीदारी की और स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड एवं वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का भ्रमण किया। संगोष्ठी में अकादमिक एवं शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, स्टूडेंट एंड फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर चर्चा हुई। भारतीय विश्वविद्यालय संघ की प्रतिनिधि के रूप में गवर्निंग काउंसिल की सदस्य प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ

बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य अकादमिक नीतियों की जानकारी लेते हुए चर्चा की और सत्र को संबोधित किया। उन्होंने भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, मैड्रिड में आयोजित शिक्षा का अंतर्राष्ट्रीय करण भारतीय परिप्रेक्ष्य सत्र को पॉवर प्वाइंट के माध्यम से संबोधित करते हुए शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण के तरीकों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में यह कदम आवश्यक है। उन्होंने विभिन्न स्तरों पर इसके क्रियान्वयन की रूपरेखा भी प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि भारतीय छात्रों में विदेशी विश्वविद्यालयों के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के आलोक में शिक्षा के अन्तरराष्ट्रीयकरण की आवश्यकता है।

एएमओयू

अकादमिक साझेदारी और सहयोगात्मक शोध की दिशा में उठाया महत्वपूर्ण कदम

स्पेन की यूनिवर्सिटी और डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि मिलकर करेंगे शोध

अमर उजाला ब्यूरो

सागर। प्रदेश के सागर स्थित डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विश्वविद्यालय ने स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ अकादमिक और शोध समझौते किए हैं। इसके तहत स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ आपसी सहयोग की संभावनाओं को तलाशा गया।

डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि सागर ने अकादमिक साझेदारी और सहयोगात्मक शोध की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में डॉ. हरिसिंह गौर विवि और स्पेन के विश्वविद्यालयों के बीच अकादमिक और शोध समझौते की पहल की जा रही है। भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली के गवर्निंग काउंसिल ने भारतीय और स्पेनिश विश्वविद्यालयों के बीच संपर्क बढ़ाने के उद्देश्य से स्पेन में आठ से 11 जुलाई तक आयोजित संगोष्ठी में भाग लिया। स्पेन के बार्सिलोना, मैड्रिड और वल्लाडोलिड के पांच विश्वविद्यालयों का दौरा किया। इस संगोष्ठी में ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी, इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी कैटालुन्या, लेइडा यूनिवर्सिटी, विगो यूनिवर्सिटी, जेन यूनिवर्सिटी, सलामांका यूनिवर्सिटी, और वैलेंसिया यूनिवर्सिटी से अकादमिक और शोध साझेदारी, आपसी सहयोग, और स्टूडेंट एवं फैकल्टी एक्सचेंज जैसे विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्पेन के ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, यूनिवर्सिटी ऑफ बार्सिलोना, आई ई यूनिवर्सिटी मैड्रिड, ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैड्रिड, और यूनिवर्सिटी ऑफ वल्लाडोलिड का भ्रमण कर वहां के अकादमिक, शोध एवं अन्य नीतियों की जानकारी ली।

सागर विश्वविद्यालय के अधिकारियों के दल ने किया स्पेन का दौरा।

जल्द ही स्पेनिश भाषा में शुरू होंगे पाठ्यक्रम

प्रो. गुप्ता ने बताया कि डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय अकादमिक साझेदारी, शोध और पाठ्यक्रमों के माध्यम से शिक्षा के अंतरराष्ट्रीयकरण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने स्पेन यात्रा के अनुभवों को शीघ्र अमल में लाने की योजना बनाई है और विश्वविद्यालय के इंटरनेशनल सेल के माध्यम से स्पेन के विश्वविद्यालयों के साथ पाठ्यक्रमों और शोध में आपसी सहयोग स्थापित किया जाएगा। विश्वविद्यालय के अंग्रेजी और अन्य यूरोपीय भाषा विभाग में शीघ्र ही स्पेनिश भाषा में पाठ्यक्रम प्रारंभ किए जाएंगे। इच्छुक छात्र-छात्राएं इंटरनेशनल सेल में संपर्क कर सकते हैं।

सोशल मीडिया लिंक –

https://www.teenbattinews.com/**2024/07**/blog-post_**14.**html?m=**0**

https://www.amarujala.com/madhya-pradesh/sagar/sagar-dr-harisingh-guar-central-university-spain-universities-2024-07-15

SagarUniversity DoctorGour Doctor Harisingh Gour Vishwavidyalaya,Sagar

संकलन, चयन एवं संपादन

कार्यालय, मीडिया अधिकारी

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)

Email- mediaofficer@dhsgsu.edu.in **Website-** www.dhsgsu.edu.in